# हितैषी-2015

## हितैषी-हिमालयन पर्यावरण, जलस्रोत एवं पर्वतीय शिक्षा संस्था

**हितैषी संस्था**- पर्यावरण संरक्षण एवं समाज परिवर्तन के कार्यो में विगत 20 वर्षो से निरन्तर कार्य कर रही है। जिसमें इन दो दशकों में कई उतार चढ़ाव व समाज में बदलाव की स्थितियां देखी है'। बदलाव सामाजिक आर्थिक, राजनैतिक, शैक्षिक हर तरफ दिखता है। लेकिन कई बुनियादी चीजें अभी भी आम जन से कोषों दूर हैं। सामाजिक बदलाव के इस दौर में बाहरी रूप से जहाँ हम बहुत ही सशक्त व मजबूत दिखते हैं वही सामाजिक परिपक्वता के अनुसार बहुत कमजोर व पिछड़े महसूस होते है। सामाजिक तानाबाना टूट रहा है। यद्यपि जातिवाद की दीवारें टूट रही है। शिक्षा की पहुँच बढ़ी है। रूढ़िवाद, अंधविश्वास, पलायन, पर्यावरण का दिनों दिन बिगड़ता स्वरूप ऐसी परिस्थितियों में हितैषी सामाजिक उत्थान व जागरूकता के लिए कटिबद्धता के साथ लगी है।

हितैषी शिक्षा के प्रचार प्रसार व समाज के गरीब अनाथ असहाय परिवारों के शिक्षण की मुहिम में भी एक विचार के साथ लगी है। कि सबको समान शिक्षा का अधिकार मिलना चाहिए। इस हेतु संस्था ने चैरिटी के साथ, निर्धन व दुर्बल लोगों के लिए हितैषी विद्या निकेतन की स्थापना की है। जिसमें वर्तमान में लगभग 110 बच्चे शिक्षण के लिए आते हैं। इस चैरिटी के कार्य में क्षेत्र के विचारवान युवक युवतियाँ सहभाग करते हैं तथा इस मिशन को आगे बढ़ा रहे हैं।

पिछले दशक से हितैषी ने महसूस किया कि उत्तराखण्ड में पलायन एक विकराल समस्या के रूप में सामने आ रही है। इसके चलते गांव खाली हो गये हैं उपजाऊ जमीन, बंजर-बर्बाद हो रही है। उत्तराखण्ड में अगर मुसीबत के रूप में सामने आई है तो जंगली जानवरों का आतंक- बन्दर, सुअर, बाघ, भालू तथा दूसरा शराब। जो युवा पीढ़ी व घर-घर को बर्बाद कर रहा है। ऐसी परिस्थितियों में हितैषी को महसूस हुआ कि जिनके श्रम, मेहनत से आज भी पहाड़ आबाद है। हमें उनका सम्मान करना चाहिए, उन्हें उत्साहित, प्रेरित पुरस्कृत करना चाहिए। शायद इससे युवा पीढ़ी प्रेरित होगी और उनके बच्चें, भी प्रेरित होगें। नि:संदेह पहाड़ों से पलायन पर रोक लगेगी।

इस विचार के साथ जुड़े साथियों, युवाओं, प्रवासी-अप्रवासी लोगों जो यह महसूस करते है। कि पहाड़ समृद्ध हो, बचे रहें से -आह्वहन करता है के आप अपने गांव की मिट्टी, सुन्दर जंगल, झरने, बुरांश, काफल तथा अपनी सड़को के टेढ़े मेढ़े रास्तों को न भूलें। वह चाहे प्रवासी हो या अप्रवासी साल में जरूर एक बार अपनी मिट्टी से जुड़े। तो पहाड़, गुलजार रहेगें ही, नई पीढ़ी जो श्रमशील हैं, उत्तराखण्ड में बने रहेगें । हम आशा करते हैं कि हितैषी के समर्पित साथियों के इस संघर्ष में प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से बनें रहेंगे जो भगीरथ प्रयास के साथ निरन्तर लगे है। अपना सहकार प्रदान करेगें इसी विश्वास के साथ-

आपका
किशन राना
सचिव

# वार्षिक प्रतिवेदन

**हितैषी**– हिमालयन पर्यावरण जल स्रोत एवं पर्वतीय शिक्षा संस्थान एक अलाभकारी गैर राजनैतिक, सामाजिक संस्था है। जिसका पंजीकरण 23 सितम्बर 1998 को हुआ। परन्तु संस्था 90 के दशक से ही समाज के साथ शिक्षा, पर्यावरण शिक्षण, बच्चों की बुनियादी शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ-साथ महिला सशक्तीकरण व आर्थिक मजबूती तथा जैविक खेती, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए संघर्षरत है।

संस्था बिना किसी प्रोजेक्ट या आर्थिक सहयोग के उत्तराखण्ड जिला बागेश्वर के गरूड़ ब्लाक में जिसे कत्यूर क्षेत्र कहा जाता है। में एक छोटी सी कोशिश के माध्यम से प्रयासरत है जिसके अन्तर्गत समाज में पर्यावरण शिक्षण, बच्चों की बुनियादी शिक्षा, स्वस्थ्य के साथ-साथ महिला सशक्तीकरण व आर्थिक बेहतरी तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु संघर्षरत है।

संस्था बगैर किसी प्रोजेक्ट, मदद के उत्तराखण्ड, जिला बागेश्वर के दो नदी घाटियों, गोमती घाटी व गरूड़ गंगा घाटी के बेहद उपजाऊ क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता व सुधार तथा समाज की आर्थिक मजबूती हेतु अभिनव प्रयोग कर रही है।

**कार्य क्षेत्र एवं उद्देश्य**– उत्तराखण्ड बागेश्वर जिले के दो न्याय पंचायतें, न्याय पंचायत भगरतोला व न्याय पंचायत मैगड़ी स्टेट में संस्था, गोष्ठियां, पदयात्राएं संगठन निर्माण, स्कूलों के माध्यम से रैलियां जागरूकता अभियान व सुचेतना का कार्य कर रही है।

संस्था का उद्देश्य संस्कार वान शिक्षा के माध्यम से समाज को सशक्त बनाना है। तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को लक्ष्य मानकर पहाड़ के पानी तथा यहॉ की नौजवानी को संरक्षित कर पहाड़ों को समृद्ध व स्वावलम्बी बनाकर खुशहाली लाना है। यहॉ की समृद्धि के लिए छोटे-छोटे उद्योग, कताई-बुनाई, रंगाई, बागवानी, पशुधन, खेती की उन्नत तकनीक के साथ सब्जी उत्पादन, मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन जैसे कार्यो के लिए युवक-युवतियों को प्रेरित कर लाभ पहुॅचाया जाता है। तथा महिलाओं के कार्य बोझ को कम किया जा सके इस हेतु लैगिंक समानुपात पर बल दिया जाता है।

## संगठन, समूह व बचत

संस्था में संगठनों के निर्माण पर विशेष बल देते हुए न्याय पंचायत भगरतोला के द्यौनाई क्षेत्र में प्रत्येक गांव में संगठनों का निर्माण कर उन्हें संगठन की शक्ति सामूहिक प्रयासों के माध्यम से कार्यो के महत्व को समझाया तथा जो गांव, समाज की शक्ति भी है। संगठन के माध्यम से महिलाएं खाल-चाल निर्माण, गोष्ठियां करना, पंचायतों में अहम भूमिका के तौर पर भूमिका निभाना साफ-साफ दिखता है।

समूह के रूप में बचत कार्य कर समूहों ने छोटे-छोटे प्रयासों के माध्यम से बड़ी बचतें कर सामूहिक व व्यक्तिगत कार्य ऋण के माध्यम से किये है। जिसमें शौचालय निर्माण, गाय, भैंस, के लिए लोन, बेटी के विवाह हेतु ऋण लेकर समय पर चुकता कर समूह (बचत) की ताकत का एहसास कराता है।

इस प्रकार संगठन के प्रयासों से समूह व बचत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। तथा राष्ट्रीय व सरकारी कार्यो में भागीदारी व दखल देकर प्रभावी तरीके से महिलाएं देखरेख व अनुश्रवण कर रही हैं। संगठन के माध्यम से महिलाएं सामाजिक बुराइयों शराब, महिला उत्पीड़न, जुआ, दहेज, हिंसा, इत्यादि मुद्दों को भी उठाती हैं व सजगता के साथ खड़ी हो रही हैं।

**महिला अधिकार कानून-** बाल अधिकार एवं महिला अधिकार एवं कानून विषयक गोष्ठी प्रतिवर्ष 12 ग्राम सभाओं की महिलाओं के मध्य की जाती है। इसका उद्देश्य यह होता है। कि महिलाएं / किशोरियां अपने ऊपर हो रही हिंसा, उत्पीड़न को समझें तथा इसका प्रतिकार करने की हिम्मत उनमें आए। इन गोष्ठियों-बैठकों का असर स्पष्ट तौर पर अब दिखता है और महिलाएं बुलंदी व निर्भीक होकर आगे आ रही हैं। मंचों के माध्यम से बातों -घटनाओं को बता (उजागर) कर रही है।

इस गोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि देश की प्रतिष्ठिता गांधी-वादी समाज सेविका- जमनालाल बजाज पुरस्कार से सम्मानित सुश्री राधा बहन ने महिलाओं को उनकी ताकत- अधिकारों के बारे में बताया। महिला हिंसा, बढ़ते नशे के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए आगाह किया कि इनसे परिवार तथा समाज दूषित व टूट रहें हैं।

**वार्षिक प्रमाण परिणाम-**

1- संगठनात्मक पहल से सक्रियता बढ़ी
2- बचत से आजीविका संवर्द्धन में मदद मिली।
3- प्राकृतिक संसाधनों के प्रति संवेदनशीलता जागरूकता बढ़ी।
4- लोगों के बीच अपनी संवाद बढ़ा, व रचनात्मक कार्यो में जनभागीदारी बढ़ी।
5- महिलाएं संगठन के रूप में संगठित होकर सशक्त रूप में उभर कर सामने आयी।
6- रूढ़िवादिता - अंधविश्वास के प्रति जगजागृति बढ़ी।

**हमारे सहयोगी मार्गदर्शन-**

1- श्री चण्डी प्रसाद भट्ट गोपेश्वर (चमोली)
2- डॉ0 शेखर पाठक, सम्पादक पहाड़ (नैनीताल)
3- श्री पंकज वाधवा हिमजोली, नैनीताल
4- सुश्री राधा बहन कस्तूरबा उत्थानमण्डल, लक्ष्मी आश्रम कौसानी अल्मोड़ा
5- डा0 सुशील शर्मा आरोही- नैनीताल

**आभार**- हम हितैषी संस्था के संचालक मण्डल के सदस्य, सेवा क्षेत्र के लोग और संघर्षरत कार्यकर्ता साथी आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करते है। आपने हमारा साथ दिया और स्वीकारा।

हम इस संघर्ष में आपसे प्रेरणा, मार्गदर्शन और सहयोग की कामना करते हैं।

सधन्यवाद

हितैषी ( गरूड़ ) बागेश्वर (263641)
उत्तराखण्ड